# KU Newsletter

September 2025/ Edition 6, Vol. 1 भाद्रपद, विक्रम संवत १० ८२

www.kuk.ac.in


## कुवि में 28 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक होगा रत्नावली मेले का आयोजन

# रत्नावली मै देखण नै मिलैंगे हरियाणवी ठाठ

**कुवि।** ठेठ हरियाणवी ठाठ देखण नै मिलेंगे रत्नावली के मेले में। रत्नावली हरियाणवी संस्कृति का ऐसा महाकुंभ है जिसका लोक कलाकार साल भर तक इंतजार करते हैं। इस बार यह मेला 28 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किया जाएगा। इस मेले में 3 हजार से अधिक कलाकार ठेठ हरियाणवी ठाठ में 32 विधाओं के माध्यम से लोक स्वर लहरियों पर थिरकेंगे।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के नेतृत्व में विश्वविद्यालय की ओर से रत्नावली मेले को हरी झंडी मिल चुकी है। इस मेले में हरियाणवी हस्तकला के नमूने भी देखने को मिलेंगे। इसके साथ ही हरियाणा की लोक कला के विविध स्वरूप रत्नावली के मेले में अपना रंगा दिखाएंगे। इस मेले में धरोहर प्रदर्शनी, हरियाणा की हस्तकला प्रदर्शनी, ललित कला विभाग के छात्रों की प्रदर्शनी, जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के छात्रों की प्रदर्शनी एवं हरियाणवी चौपाल विशेष आकर्षण का केन्द्र होगा।

इस विषय में युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग के निदेशक प्रो. विवेक चावला बताया कि रत्नावली समारोह हरियाणा ही नहीं अपितु पूरे विश्व में अपनी पहचान रखता है। रत्नावली के माध्यम से हरियाणा की अनेक विधाओं को जन्म मिला है। रत्नावली पूरे हरियाणा के कलाकारों को मंच तो प्रदान करता ही है इसके साथ–साथ उनमें प्रतियोगिता की भावना को भी जन्म देता है। प्रो. विवेक चावला बताया कि रत्नावली समारोह इस वर्ष भी युवा कलाकारों के लिए विशेष आकर्षण का केन्द्र होगा। रत्नावली युवा

छात्रों के लिए एक ऐसी कार्यशाला है जिसके माध्यम से अब तक हजारों युवाओं को मंच प्रदान किया जा चुका है।

लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि इस वर्ष भी रत्नावली समारोह कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के निर्देशानुसार अत्यंत उत्साह से मनाया जायेगा। इस रत्नावली उत्सव में जहां एक ओर हरियाणवी खान–पान का तडका लगेगा वहीं पर दूसरी ओर हरियाणा की हस्तकला के अलग–अलग स्वरूप देखने को मिलेंगे।

लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि इस वर्ष विद्यार्थी 32 हरियाणवी विधाओं में प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय, कॉलेज, संस्थानों के हजारों कलाकार भाग लेंगे जिसमें वाद–विवाद प्रतियोगिता, हरियाणवी चुटकले प्रतियोगिता, हरियाणवी स्किट, हरियाणवी लोकगीत, हरियाणवी भजन, रागिनी, हरियाणवी आर्केस्ट्रा, हरियाणवी फोक इंस्ट्रूमेंट, हरियाणवी वन एक्ट प्ले प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी इसके साथ ही प्रतिभागी आन द स्पाट पेंटिंग, पेंटिंग प्रदर्शनी, हरियाणवी फोक कांस्टयूम, हरियाणवी सोलो डांस, हरियाणवी ग्रुप डांस, ग्रुप सांग, हरियाणवी कविता, हरियाणवी पाप सांग, चौपाल, आभूषण कला प्रदर्शनी, रसिया ग्रुप डांस, हरियाणवी क्विज, शार्ट फिल्म प्रतियोगिता, हरियाणवी पगडी बंधाओं प्रतियोगिताओं, हरियाणवी रीति–रिवाज प्रतियोगिता, ड्यूट रागिनी, फॉक हेंडीक्राफ्ट, बोहिया फुलझडी, पिड्डा, बंदरवाल व इंडी बनाओं प्रतियोगिताओं, लूर हरियाणवी ग्रुप डांस, हरियाणवी फैशन शो का आयोजन होगा।

# राष्ट्र के कल्याण में योगदान दे यूथ रेड क्रॉसः कुलपति

**कुवि।** यूथ रेड क्रॉस का प्रमुख उद्देश्य लोगों की स्वास्थ्य, सेवा और मित्रता पर ध्यान केंद्रित करते हुए रेडक्रॉस स्वयंसेवक सेवा, समर्पण और परोपकार की भावना से राष्ट्र और समाज के कल्याण हेतु योगदान करना है। यह उद्गार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने सीनेट हॉल में केयू के यूथ रेड क्रॉस, प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर द्वारा आयोजित एक दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम में व्यक्त किए।

कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि रेडक्रॉस एक ऐसी संस्था है जो पिछले कई दशकों से समाज सेवा के साथ साथ देश की राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के लिए काम कर रही है। यूथ रेडक्रॉस के स्वयंसेवक राष्ट्र निर्माण में मुख्य भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 को इसके सभी प्रमुख प्रावधानों के साथ लागू करने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय हमारा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय है। यह केवल आंकड़े नहीं बल्कि सभी के परिश्रम, दूरदृष्टि और उत्कृष्टता की सतत् साधना का परिणाम है। उन्होंने आए हुए सभी प्रतिभागियों को अनुरोध किया कि वे पढ़ाई के साथ–साथ अन्य सामाजिक गतिविधियों में जुड़े ताकि एक आदर्श देश का निर्माण कर सकें।

हरियाणा रेड क्रास शाखा, चंडीगढ़ से स्टेट प्रोग्राम आफिसर रोहित शर्मा ने यूथ रेड क्रास के लिए चलाई जा रही योजनाओं के बारे में अवगत करवाया ताकि कॉलेजों में यूथ रेड क्रास को सुचारू रूप से गतिविधियों को चलाकर समाज में फैली कुरीतियों के बारे में जागरूकता फैलाई जाए।

हरियाणा राज्य रेड क्रास शाखा, चंडीगढ़ से आए रेडक्रास सचिव महेश जोशी ने कहा कि हरियाणा में चलाई जा रही समाज कल्याणकारी योजनाओं में यूथ रेड क्रास के वालंटियर्स का महत्वपूर्ण योगदान है।

अंत में कुवि के यूथ रेड क्रॉस प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर प्रो. डी.एस.राणा ने सभी सहभागियों का धन्यवाद करते हुए सबसे अनुरोध किया कि सभी अध्यापकों द्वारा मानव समाज कल्याण की तरफ अपना योगदान याद रखना चाहिए तथा इसके प्रति निरंतर कार्य करते रहना चाहिए। इस कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से संबंधित 80 कॉलेजों के प्राचार्य व कांउसलर मौजूद रहे।

## कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

# तिरंगा यात्रा राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रतीकः प्रो. सचदेवा

**कुवि।** तिरंगा यात्रा केवल एक आयोजन नहीं बल्कि राष्ट्र के प्रति समर्पण, गर्व और एकता का प्रतीक है। तिरंगा यात्रा देश के प्रति अटूट प्रेम और सम्मान को प्रदर्शित करने का सशक्त माध्यम है, जो देश के युवाओं और जन–जन में देशभक्ति का जोश और उत्साह भर रही है। यह उद्गार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने मंगलवार को विश्वविद्यालय परिसर में हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत कुलपति कार्यालय से विद्यार्थियों द्वारा निकाली गई तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं गैर–शिक्षक कर्मचारियों को नशीली दवाओं के दुरुपयोग की रोकथाम में सहयोग करने की शपथ दिलाई। इसके साथ किसी भी प्रयोजन के लिए किसी भी प्रकार से हानिकारक अथवा अवैध पदार्थों का सेवन नहीं करने का भी संकल्प दिलाया। इस अवसर पर सभी ने नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ जीवन–यापन करने की प्रतिज्ञा भी ली।

कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि हम प्रत्येक व्यक्ति विशेषतः युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए नशीली दवाओं के दुष्प्रभावों के संबंध में जागरूकता पैदा करेंगे ताकि भारत का युवा नशामुक्त जीवन–यापन कर सकें और समाज के रचनात्मक एवं महत्वपूर्ण सदस्य बन सकें।

तिरंगा यात्रा कुलपति कार्यालय के प्रांगण से भारत माता की जय और वंदे मातरम् जैसे नारों के साथ आरंभ हुई और विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों, शाखाओं, संस्थानों, पुस्तकालय, आईआईएचएस, डीन बिल्डिंग व अन्य कई स्थानों से होकर निकली जिसमें विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, स्वयंसेवकों, विद्यार्थियों व कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक बढ़–चढ़कर भाग लिया।

कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत देशभर में तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही हैं, जिनका उद्देश्य देशभक्ति की भावना को मजबूत करना और नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान व गर्व की भावना से जोड़ना है। रैली के पश्चात विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, स्वयं सेवकों, एनसीसी कैडेट्स, शिक्षकों, अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा विश्वविद्यालय पुस्तकालय के पीछे स्थित रोज गार्डन में स्वच्छता अभियान चलाया गया जिसमें सभी ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. विरेंद्र पाल, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. दिनेश कुमार, डीन ऑफ कॉलेजिज प्रो. बृजेश साहनी, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एआर चौधरी, प्रो. सुशीला चौहान, प्रो. कुसुम लता, लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया, प्रॉक्टर प्रो. अनिल गुप्ता, प्रो. महाबीर रंगा, मुख्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. आनन्द कुमार, डॉ. नरेश सागवाल, डॉ. रमेश सिरोही, कुलपति के ओएसडी पवन रोहिला, विनोद वर्मा सहित शिक्षक, कर्मचारी व विद्यार्थी मौजूद रहे।

## केयू में नवागंतुक छात्र स्वागत और उद्यमिता प्रोत्साहन समारोह

# शिक्षा, स्वदेशी और स्वरोजगार से बनेगा विकसित भारत

**कुवि।** शिक्षा, उद्यमिता, स्वदेशी एवं स्वरोजगार से विकसित भारत का निर्माण होगा। जीवन में सफलता के लिए ज्ञान, कौशल और सकारात्मक दृष्टिकोण आवश्यक है। यह तीनों शिक्षा के तीन महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। शिक्षा वह है जो व्यक्ति के ज्ञान को बढ़ाए, आत्मनिर्भरता व चरित्र निर्माण करे। ये उद्‌गार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण द्वारा ऑडिटोरियम हाल में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को समर्पित नवागंतुक छात्र स्वागत एवं उद्यमिता प्रोत्साहन समारोह में बतौर मुख्यातिथि व्यक्त किए। सभी अतिथियों द्वारा क्रश हॉल में छात्रों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया गया।

कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय हरियाणा का एकमात्र राजकीय विश्वविद्यालय है जिसे नैक द्वारा उच्चतम ए–प्लस–प्लस ग्रेड प्राप्त हुआ है। देश में 1100 से ज्यादा राजकीय व निजी विश्वविद्यालय हैं, उनमें से 60 के पास यह ग्रेड है। स्वायत्तता प्राप्त विश्वविद्यालयों की श्रेणी में विश्वविद्यालय देश में 8वें स्थान पर हैं। विश्वविद्यालय ने देश में खेलों के क्षेत्र में प्रदान की जाने वाली सबसे प्रतिष्ठित मौलाना अबुल कलाम आजाद (माका) ट्रॉफी में पिछले दो साल में तीसरा स्थान हासिल किया है। वहीं सांस्कृतिक गतिविधियों में भी कुवि सभी विश्वविद्यालयों में तीसरे स्थान पर तथा राजकीय विश्वविद्यालयों में पहले स्थान पर रहा है।

उद्यमिता दिवस पर उद्योगपति को सम्मानित करते कुलपति प्रो सोमनाथ सचदेवा व अन्य।

कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने विद्यार्थियों को क्यूरोसिटी (जानने की इच्छा), क्रिटिकल थिंकिंग तथा जीवन में नवाचार करने के लिए प्रेरित किया। 15 से 29 वर्ष के बीच के 37 करोड़ युवा भारत की बहुत बड़ी ताकत हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने का आह्वान किया। नशा मुक्ति अभियान की सफलता हमारे शीर्षस्थ नेतृत्व के दृढ़ संकल्प, अटूट निष्ठा और मातृभूमि के प्रति उनके समर्पण का प्रमाण है।

छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एआर चौधरी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया व छात्रों को विश्वविद्यालय में दी जा रही सुविधाओं की जानकारी दी।

डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. दिनेश कुमार ने विद्यार्थियों से कहा कि छात्र कुरुक्षेत्र की धरती से कर्म करने का संदेश लें और विद्यार्थी इधर–उधर भटकने की बजाए अपनी पढ़ाई पर फोकस करें। मेहनत से किया गया कार्य हमेशा सफल होता है। कुलसचिव डॉ. विरेंद्र पाल ने अंत में सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपने लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत से अपना लक्ष्य प्राप्त करें। मंच का संचालन युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग के निदेशक प्रो. विवेक चावला ने किया।

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. विरेंद्र पाल, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. दिनेश कुमार, डीएसडब्ल्यू प्रो. एआर चौधरी, प्रो. अनिल गुप्ता, प्रो. डीएस राणा, प्रो. आनंद कुमार, प्रो. जसबीर ढांडा, प्रो. अनिल मित्तल, प्रो. सुशील शर्मा, प्रो. उषा, प्रो. कृष्णा, प्रो. अनिता दुआ, प्रो. विवेक चावला, लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया एवं अन्य विद्वान शिक्षकों के साथ विद्यार्थी उपस्थित थे।

### उद्यमी देंगे स्टार्टअप व आत्मनिर्भरता के टिप्स

कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने समारोह के दौरान कुरुक्षेत्र के चार प्रतिष्ठित उद्यमियों रमेश जैन, महेश कुमार, निकुंज अग्रवाल तथा प्रवीण वधवा को विश्व उद्यमिता दिवस पर सम्मानित किया। सभी सम्मानित उद्यमी कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के छात्रों को स्टार्टअप व आत्मनिर्भरता के टिप्स देंगे। चारों सम्मानित उद्यमियों ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के छात्रों को स्वयं का स्टार्टअप, व्ययवसाय व आत्मनिर्भरता के टिप्स सहित हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि उद्यमिता में करियर के अवसर किसी और के लिए काम करने के बजाय अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने और चलाने की चाहत को कहते हैं। इसमें जोखिम उठाना, नवोन्मेषी होना, और व्यवसाय शुरू करने और उसे चलाने की चुनौतियों और अनिश्चितताओं का सामना करने के लिए तैयार रहना शामिल है।

## नवागंतुक छात्र स्वागत

### विधि केवल पेशा नहीं बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारीः प्रो. सुशीला

**कुवि।** कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में विधि संस्थान द्वारा बीएएलएलबी एवं एलएलएम के नए सत्र के विद्यार्थियों के स्वागत एवं मार्गदर्शन हेतु ओरिएंटेशन व इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन विधि संस्थान में किया गया। विधि संस्थान की निदेशिका प्रो. सुशीला देवी चौहान ने बताया कि "विधि केवल एक पेशा नहीं बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी है। संस्थान विद्यार्थियों को शैक्षणिक एवं व्यावसायिक विकास के हर अवसर प्रदान करेगा, किन्तु सफलता विद्यार्थियों के समर्पण और ईमानदारी पर निर्भर करती है। विधि संस्थान के उप–निदेशक डॉ. रमेश सिरोही ने बताया कि अनुशासन, समय पालन और निरंतर प्रयास ही सफलता की कुंजी हैं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि वक्ता डॉ. नीरज बातिश, डॉ. अमित कुमार, डॉ. पूनम शर्मा एवं डॉ. संतलाल ने अपने प्रेरणादायी विचारों से विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुशासन तथा सर्वांगीण विकास के अवसरों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में छात्र आयोजक कुशाल, जय शिखा, प्रेरणा चित्रा, दीपक, अनूप, किरण और अनहद ने सक्रिय सहयोग किया। अंत में छात्रों के साथ एक संवादात्मक सत्र हुआ। यह कार्यक्रम संयोजक डॉ. सुमित तथा सह–संयोजक डॉ. मोनिका की देख रेख में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मंच संचालन छात्र कुशाल द्वारा किया गया।

### विचारों को प्रयास में बदलने से सफलता मिलती हैः प्रो. कुठियाला

**कुवि।** यूआईईटी संस्थान में स्टूडेंट इंडक्शन कार्यक्रम में नए छात्रों को संबोधित करते हुए उच्च शिक्षा हरियाणा के पूर्व चेयरमैन प्रो. बृज किशोर कुठियाला ने कहा कि विद्यार्थियों के मन में सबसे पहले जो विचार आता है उस विचार पर आत्मचिंतन करना चाहिए फिर उसका विश्लेषणात्मक अध्ययन जरूरी है। क्योंकि जो विद्यार्थी इस कड़ी में इस परिस्थिति में तुलनात्मक सोच में सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ते हैं उन्हें सफलता जरूर मिलती है। डीन इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी और यूआईईटी संस्थान के निदेशक प्रोफेसर सुनील ढींगरा ने कहा कि आत्मीय और मानसिक विकास से ही समय के साथ विद्यार्थी आगे बढ़ सकते हैं। डॉ राजेश अग्निहोत्री ने सभी का धन्यवाद किया। इस अवसर पर डॉ सविता, दीप्ती, डॉ. पवन दीवान, डॉ. रामावतार, डॉ. संजीव आहूजा आदि मौजूद रहे।

### सपनों को सच करने के लिए तैयार रहें विद्यार्थीगणः प्रो. शर्मा

**कुवि।** कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में वाणिज्य विभाग, द्वारा सोमवार को बी.कॉम. प्रोफेशनल के नए छात्रों के लिए प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को विभाग के शैक्षणिक वातावरण, संकाय और पाठ्यक्रम से परिचित कराना था। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. महाबीर नरवाल ने छात्रों का स्वागत किया और विभाग के दृष्टिकोण, मिशन और शैक्षणिक उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने छात्रों को विभिन्न गतिविधियों जैसे कि रोस्ट्रम, क्विज प्रतियोगिता, खेल प्रतियोगिता, कॉमर्स फेस्ट और औद्योगिक भ्रमण से परिचित कराया। उन्होंने प्रशिक्षुता और इंटर्नशिप के कार्यक्रम क्रम पर भी चर्चा की, जिसका उद्देश्य छात्रों को उनके चुने हुए क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है। इसके अलावा, छात्रों को पाठ्यक्रम के सिलेबस पैटर्न के बारे में भी जानकारी दी गई, जिससे वे पाठ्यक्रम को समझ सकें और अपनी शैक्षणिक यात्रा की प्रभावी ढंग से योजना बना सकें। यह जानकारी उन्हें अपने पाठ्यक्रम को नेविगेट करने और अपने शैक्षणिक और पेशेवर प्रयासों के बारे में सूचित निर्णय लेने में मदद करेगी। प्रो. तेजेन्द्र शर्मा ने छात्रों को अपने सपनों को पूरा करने और अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित किया।

## आपरेशन सिंदूर की सफलता से नवागंतुक छात्रों को अवगत कराया

# अदम्य साहस का प्रतीक ऑपरेशन सिंदूरः कुलपति

**कुवि।** हाल ही में संपन्न ऑपरेशन सिंदूर हमारे वीर जवानों के अदम्य साहस और अद्वितीय शौर्य का जीवंत उदाहरण है जहां उन्होंने दुर्गम परिस्थितियों में असाधारण पराक्रम और अनुशासन का परिचय देते हुए राष्ट्र की सुरक्षा और सम्मान को सर्वोपरि रखा। इस अभियान की सफलता हमारी सेना और हमारे शीर्षस्थ नेतृत्व के दृढ़ संकल्प, अटूट निष्ठा और मातृभूमि के प्रति उनके समर्पण का प्रमाण है। ये उद्‌गार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने गुरुवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण द्वारा ऑडिटोरियम हॉल में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को समर्पित नवागंतुक छात्र स्वागत एवं उद्यमिता प्रोत्साहन समारोह में बतौर मुख्यातिथि व्यक्त किए। इससे पहले कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा, कुलसचिव डॉ. विरेंद्र पाल, ब्रिगेडियर अनिल मोर, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. दिनेश कुमार तथा छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एआर चौधरी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. विरेंद्र पाल, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. दिनेश कुमार, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एआर चौधरी, प्रो. अनिल गुप्ता, प्रो. डीएस राणा, प्रो. आनंद कुमार, प्रो. जसबीर ढांडा, प्रो. अनिल मित्तल, प्रो. सुशील शर्मा, प्रो. उषा, प्रो. कृष्णा, प्रो. अनिता दुआ, प्रो. विवेक चावला, लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया, उप–निदेशक डॉ. जिम्मी शर्मा, डॉ. अंकेश्वर प्रकाश, डीन, निदेशक, शिक्षकों सहित विद्यार्थी मौजूद थे।

कुवि के ऑडिटोरियम में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को समर्पित नवागुंतक छात्र स्वागत एवं उद्यमिता प्रोत्साहन समारोह के तहत क्रश हॉल में ललित कला विभाग, वूमेन स्टडी रिसर्च सेंटर, यूआईईटी व कई अन्य विभागों के विद्यार्थियों द्वारा ऑपरेशन सिंदूर को समर्पित व स्वनिर्मित वस्तुओं की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस प्रदर्शनी में सेना के जवानों द्वारा किए गए अदम्य साहस व पराक्रम की जीवंत तस्वीरों को देखकर सभी मेहमानों ने सराहा। विद्यार्थियों द्वारा स्वनिर्मित वस्तुओं की प्रदर्शनी ने भी सभी को आकर्षित किया।

### ऑपरेशन सिंदूर ने दिया सख्त संदेशः ब्रिगेडियर

विशिष्ट अतिथि ब्रिगेडियर अनिल कुमार मोर ने सभी नवागंतुक छात्रों को जीवन में कड़ी मेहनत व समय के सदुपयोग तथा राष्ट्र निर्माण में भागीदारी करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में किया गया। जिसमें भारतीय सेना द्वारा 6–7 मई की रात को पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया गया। भारतीय सेनाओं ने वैश्विक मंच पर अपनी ताकत दिखाकर सटीकता व संयम का परिचय दिया। ऑपरेशन सिंदूर ने न सिर्फ आतंकवाद पर कड़ा प्रहार किया, बल्कि दुनिया को आतंकवाद के खिलाफ सख्त संदेश भी दिया। भारत ने दुनिया को बताया कि आतंक के खिलाफ कहीं भी, कभी भी कार्रवाई होगी। बिना किसी सैन्य ठिकाने और रिहायशी क्षेत्र को निशाना बनाए 9 आतंकी ठिकानों को नष्ट किया जिसमें से 7 ठिकानों को इंडियन आर्मी व 2 ठिकानों को इंडियन एयर फोर्स ने नेस्तनाबूद किया। उन्होंने पाकिस्तान द्वारा भारत पर किए गए हमलों तथा भारत द्वारा किए गए जवाबी हमलों के बारे में विस्तार से पीपीटी के माध्यम से बताया।

### नशा एक मानसिक विकारः डॉ. मुदगिल

**कुवि।** कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में यूआईईटी संस्थान में इंडक्शन कार्यक्रम के तहत 'इंटरनेट दुरुपयोग और नशे की लत' विषय पर पहला सत्र आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. नंदिनी मुदगिल सहायक प्राध्यापक, मनोविज्ञान, जी.सी.डब्ल्यू. शहजादपुर ने युवाओं में बढ़ते इंटरनेट दुरुपयोग और नशे की लत को गंभीर चुनौती बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि शराब और तंबाकू जैसे वैध तथा कोकीन और हेरोइन जैसे अवैध नशे शरीर के कई अंगों को प्रभावित कर घातक रोग उत्पन्न करते हैं। उन्होंने यह भी समझाया कि नशा एक मानसिक विकार है, उन्होंने 'वोरी ट्री पद्धति' और 'पॉजिटिव–नेगेटिव चार्ट' जैसी व्यावहारिक तकनीकों को अपनाने की सलाह दी, जो आत्मचिंतन और सकारात्मक जीवन शैली की ओर प्रेरित करती हैं। संस्थान के निदेशक प्रो. सुनील ढींगरा ने सभी अतिथियों का स्वागत व अभिनंदन किया।

## कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय शोध के क्षेत्र में स्थापित कर रहा नए आयामः कुलपति

# छह वर्षों में कुवि के 796 शोधार्थी पीएचडी धारक बने

**कुवि।** कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय शोध के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहा है। विश्वविद्यालय ने पिछले वर्षो में जहां शोध के क्षेत्र में 61 से अधिक पेटेंट पंजीकृत हुए हैं वहीं पर विगत 6 वर्षो में 796 शोधार्थियों को पीएचडी की डिग्रियां देकर नए आयाम स्थापित किए हैं। कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय शोध की दिशा में नवाचार को बढ़ावा दे रहा है। आने वाले दिनों में इसके और अधिक सार्थक परिणाम सामने आएंगे। शोध के क्षेत्र में विस्तार से जानकारी देते हुए परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश ने बताया कि वर्ष 2020 में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने 116 पीएचडी की डिग्रियां शोधार्थियों ने प्राप्त की। इसके अतिरिक्त वर्ष 2021 में 147 शोधार्थियों ने पीएचडी की डिग्रियां हासिल की। डॉ. अंकेश्वर प्रकाश ने बताया कि सन् 2022 में 137, वर्ष 2023 में 135, वर्ष 2024 में 178 तथा जुलाई 2025 तक 83 शोधार्थियों को पीएचडी की डिग्री दी जा चुकी है। लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में विगत वर्षो में जहां एक ओर विभागों में पीएचडी हेतु दाखिला प्रक्रिया को सुचारू रूप से लागू किया गया है वहीं पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से संबंधित महाविद्यालयों के प्रोफेसर को गाईड बनने की अनुमति भी प्रदान की गई है। इससे शोध के क्षेत्र का दायरा बढ़ गया है। आने वाले दिनों में विश्वविद्यालय के और अधिक छात्र पीएचडी में पंजीकृत होकर अपनी शोध डिग्री हासिल कर पाएंगे।

डॉ. अंकेश्वर प्रकाश।

## कुवि ने घोषित किए 26 परीक्षाओं के परिणाम

**कुवि।** कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की परीक्षा शाखा द्वारा 26 परीक्षाओं के परिणाम घोषित किए गए हैं। परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश ने बताया कि मई 2025 में आयोजित बीएएमएस तृतीय सेमेस्टर (री), विधि (प्रोफेशनल) छठा सेमेस्टर, बी.वोक. बीएफएसआई छठा सेमेस्टर, बी.वोक. फैशन टेक. छठा सेमेस्टर, बीएफएडी द्वितीय एवं छठा सेमेस्टर (गैर–सीबीसीएस), एम.ए. (मनोविज्ञान) द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर (गैर–सीबीसीएस), एमटीटीएम चतुर्थ सेमेस्टर, एम.कॉम चतुर्थ सेमेस्टर (सीबीसीएस), एम.एससी. (तकनीकी) अनुप्रयुक्त भूभौतिकी द्वितीय सेमेस्टर, एम.एससी. (बायो–टेक) सीबीसीएस, दसवां सेमेस्टर, एम.ए. (हिंदी) चौथा सेमेस्टर, बी.ए. एल.एल.बी. (ऑनर्स) दसवां सेमेस्टर, एम.टेक. (अनुप्रयुक्त भूविज्ञान) आठवां सेमेस्टर, एमपीए, चौथा सेमेस्टर (एनईपी), बी.ए. (मास कम्युनिकेशन) चतुर्थ सेमेस्टर, शारीरिक शिक्षा में डिप्लोमा द्वितीय सेमेस्टर, विशारद में डिप्लोमा भाग–1, विशारद में डिप्लोमा भाग–2, एमबीए चतुर्थ सेमेस्टर (एसएफएस) सीबीसीएस, फ्रेंच में डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रथम सेमेस्टर, एमबीए द्वितीय सेमेस्टर सीबीसीएस,. एम.ए. (एआईएच) द्वितीय सेमेस्टर, एमएससी जैव–रसायन विज्ञान चतुर्थ सेमेस्टर (आईयूएमएस) परीक्षाओं के परिणाम घोषित किए गए हैं। डॉ. अंकेश्वर प्रकाश ने बताया कि इसके साथ ही दिसम्बर 2024 में आयोजित बी.ए. राजनीति विज्ञान में प्रमुख विषय के साथ पहला सेमेस्टर, बी.टेक. तीसरा सेमेस्टर (एआई और डीएस) तथा बी.ए. (ऑनर्स) पहला सेमेस्टर (गैर–एनईपी) परीक्षाओं के परिणाम भी घोषित किए गए हैं।

## केयू के छात्र 'नेशनल सोशल आइकॉन अवार्ड 2025 से होंगे सम्मानित

**कुवि।** कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के दो छात्रों लोक प्रशासन विभाग के मीनाक्षी कांत और समाजशास्त्र विभाग के छात्र हर्ष कुमार को नेशनल सोशल आइकॉन अवॉर्ड 2025 के लिए चयनित किया गया है। केयू एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. निधि माथुर ने बताया कि छात्रों को यह पुरस्कार विकसित भारत, समाज सेवा, पर्यावरण संरक्षण, रक्तदान शिविर, स्वच्छता एवं वृक्षारोपण अभियान, शिक्षा सहायता कार्यक्रम तथा नशा मुक्त युवा व युवाओं में सामाजिक चेतना जागरूकता के लिए दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह अवॉर्ड जयपुर में केंद्रीय मंत्री, प्रशासनिक अधिकारियों व फिल्मी जगत के गणमान्य अतिथियों द्वारा दिया जाएगा। इस अवॉर्ड के लिए 230 नोमिनेशन आए थे जिनमें से कुवि के दो छात्रों समेत देशभर से 15 छात्रों को चुना गया है। दोनों छात्रों ने कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा, कुलसचिव डॉ. विरेंद्र पाल सहित अपने परिवार, विश्वविद्यालय, एनएसएस, विभाग और यूथ सोशल ग्राम का आभार जताया। छात्र हर्ष कुमार ने बताया कि उन्होंने एनएसएस के माध्यम से सक्रियता दिखाते हुए कई नवोन्मेषी अभियानों का सफलतापूर्वक संचालन किया है। इनमें रक्तदान शिविर, स्वच्छता एवं वृक्षारोपण अभियान, शिक्षा सहायता कार्यक्रम तथा युवाओं में सामाजिक चेतना जागरूकता फैलाना शामिल है। उनके नेतृत्व में अनेक स्वयंसेवकों ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य–जागरूकता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति महत्वपूर्ण कार्य किए। छात्रों ने कहा कि इस सम्मान से उन्हें सक्रिय रूप से काम करने की प्रेरणा मिलेगी।

छात्र मीनाक्षी कांत।

छात्र हर्ष कुमार।

# विश्व के विज्ञान और तकनीक में भारतीयता का योगदानः डॉ. प्रीतम

**कुवि।** कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के यूआईईटी संस्थान में कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन व अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के दिशा निर्देश में चल रहे छात्र प्रेरक कार्यक्रम के अंतर्गत सोमवार को डॉ. बी आर अम्बेडकर अध्ययन केंद्र के निदेशक डॉ. प्रीतम सिंह ने भारत की गौरवशाली परंपरा वर्तमान वैश्विक परिस्थिति में भारत के युवाओं की भूमिका विषय पर अपना व्याख्यान दिया।

डॉ. प्रीतम सिंह ने विद्यार्थियों को भारत की गौरवशाली परंपरा से अवगत कराते हुए कहा कि भारत अपनी प्राचीनतम संस्कृत भाषा पर गर्व महसूस करता है क्योंकि संस्कृत भाषा में विज्ञान और तकनीक के वो सभी अनुसंधान उपलब्ध थे जिनका इस्तेमाल कर अंग्रेजों ने आज अपना प्रभुत्व स्थापित किया है उन्होंने भारतीयता की मूल अवधारणा से अवगत कराते हुए बताया कि आर्यभट्ट के जीरो से लेकर नौ तक गिनती के आविष्कार, ज्योतिष विज्ञान, हस्तरेखा, मस्तिष्क रेखा में वराहमिहिर के योगदान की चर्चा की। डॉ. प्रीतम ने परमाणु पर ऋषि कणाद, विद्युत पर ऋषि अगस्त्य, हवाई जहाज के निर्माण में ऋषि भारद्वाज की, गुरुत्वाकर्षण का सिद्धान्त में आचार्य भास्कराचार्य के योगदान की चर्चा की। उन्होंने कहा कि स्वाधीन और स्वतंत्र में बहुत अन्तर है अब इस समय भी हम कई ऐसी वस्तुओं के अधीन हैं जो हमें स्वतंत्र होने पर प्रश्नचिन्ह लगाती है इसलिए युवा विद्यार्थियों को हमारे पाँच मूल मंत्रों पर कार्य करना होगा इसमें सबको समान समझना, देश के विज्ञान विकास में योगदान देना, परिवार की संरचना को समझना, पर्यावरण और जल जलवायु भूमि समस्या को दूर करना एवं नागरिक कर्तव्यो को निभाना है।

डीन इंजीनियरिंग एवं टैक्नोलॉजी और यूआईईटी संस्थान के निदेशक प्रो. सुनील ढींगरा ने कहा कि आज के वक्तव्य से विद्यार्थियों को उन सब तथ्यों की जानकारी मिली है। भारतीयता हमारी पहचान है और हमें भारतीयता के लिए सब कुछ न्यौछावर करने के लिए तैयार होना चाहिए। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजिका डॉ. सविता गिल, सह–संयोजिका डॉ. दीप्ती चौधरी, डॉ. राजेश अग्निहोत्री, डॉ. सुनील ढींगरा, हरिकेश पपोसा सहित विद्यार्थी मौजूद रहे।

# नए–नए आइडिया पर शोध कर विकसित भारत का विजन होगा पूरा : प्रो. सोमनाथ सचदेवा

**कुवि।** आज देश के सामने कई प्रकार की चुनौतियाँ आ रही हैं उसके लिए तकनीक का इस्तेमाल कर नए–नए आइडिया पर शोध कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 के विकसित भारत का विजन पूरा होगा। इसके साथ ही हमें हमारी सोसाइटी को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों का गहन अध्ययन करके संबंधित दिशा में सार्थक परिणाम मिल सकेंगे। यह विचार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने मोबाइल रेडियो कम्युनिकेशन और 5जी नेटवर्क पर ऑनलाइन आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर व्यक्त किए। प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि यदि हम सब संयुक्त प्रयास और मेहनत से मोबाइल रेडियो कम्युनिकेशन और 5जी नेटवर्क पर लगन व निष्ठा से कार्य करेंगे तो विकसित भारत का सपना जल्द साकार होगा। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला एमआरसीएन 2025 स्वदेशी तकनीकी क्षेत्र में अपना अहम रोल अदा करेंगी। हमारे इस विजन में जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान और जय अनुसंधान प्रमुख रूप से कार्य कर रहे हैं। अनुसंधान के अंतर्गत मोबाइल रेडियो कम्युनिकेशन इस कड़ी का प्रमुख प्रकल्प है। शोध और अनुसंधान में निरंतर रूप से कार्य समय के साथ सोसाइटी के लिए भी बहुत जरूरी है। कार्यशाला के संयोजक डीन इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी और यूआईईटी संस्थान के निदेशक प्रो. सुनील ढींगरा ने कहा कि संस्थान के पास संबंधित विषय में 315 शोध पेपर रजिस्टर्ड हुए जिसमें 45 शोध पेपर्स का चयन किया गया है जो कार्यशाला के नौ विभिन्न सत्रों में पढ़े जाएंगे। बाद में इन 45 शोध पत्रों को सिंगापुर की नेचर स्प्रिंग प्रकाशन द्वारा प्रकाशित किया जाएगा। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. सतीश कुमार, जीप साइंटिस्ट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर इंटेलिजेंस सेंसर और सिस्टम सीएसआईओ चंडीगढ़, मिस एमिना इल्माज भूटान, सीईओ आईआईटी इनोवेशन थिंक टैंक यूएई, डॉ. विनोद शुक्ला हैंड ऑफ अकादमिक स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड आर्किटेक्चर और इंटिरियर डिजाइन अमेटी यूनिवर्सिटी दुबई, डॉ. उत्कृष श्रीवास्तव मिशिगन यूनिवर्सिटी अमेरिका, डॉ. दिनेश डेनफोस ग्लोबल डेनमार्क, प्रो. दिनेश कुमार आरएमआईटी यूनिवर्सिटी ऑस्ट्रेलिया, प्रो. श्रुति जैन सोलन ने संबन्धित विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये। सह–संयोजक डॉ. विजय गर्ग ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

ऑनलाइन सेमिनार के दौरान कुलपति प्रो सोमनाथ सचदेवा, यूआईईटी संस्थान के निदेशक प्रो. सुनील ढींगरा व अन्य।

## प्रो. मोहिन्दर चांद बने डीन फैकल्टी ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट

**कुवि।** कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के आदेशानुसार टूरिज्म एंड होटल मैनेजमेंट विभाग के प्रो. मोहिन्दर चांद को 5 सितम्बर से डीन फैकल्टी ऑफ कामर्स एंड मैनेजमेंट नियुक्त किया गया है। यह जानकारी लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने दी। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही प्रो. चांद विश्वविद्यालय कोर्ट तथा एकेडमिक काउंसिल के सदस्य होंगे। प्रो. मोहिन्दर चांद ने इस महत्वपूर्ण जिम्मेवारी को सौंपने के लिए कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा का आभार प्रकट करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी है उसका वह पूर्ण ईमानदारी और लगन के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि वे फैकल्टी ऑफ कॉमर्स एंड मैनजेमंट के विद्वान शिक्षकों के अथाह शैक्षणिक अनुभवों से अधिक सीखने का अवसर प्राप्त करेंगे।

प्रो. मोहिन्दर चांद।

# हजारों वर्ष पुराणा है म्हारी हरियाणवी भाषा का इतिहास

प्रो. महासिंह पूनिया,
निदेशक, आईएमसीएमटी
एवं जनसंपर्क विभाग, कुवि

हरियाणवी भाषा का इतिहास हजारों वर्ष पुराना है। हजारों ग्रंथ हरियाणवी भाषा में लिखे जा चुके हैं। गुरु गोरखनाथ की वाणी के साथ–साथ आदिकाल में चन्द्रबरदाई द्वारा लिखे गए पृथ्वीराज रासों में ग्रंथ में हरियाणवी अंश देखने को मिलते हैं। जैसे – भगा हुआ जो मारिया बहिणु म्हारा कन्त, हरियाणवीं नहीं तो क्या है? तत्पश्चात् अकबरकालीन कवि वल्य की हस्तलिखित पुस्तक कुकड़ा मंजरी चपउई पुस्तक में कूकडी कूकड़ा जीवा लगई–सा मंजरी तब बिलखी भमई, में भी हरियाणवी का ही बोलबाला है। तत्पश्चात कबीर जैसे संत ने भी अपनी वाणी में हरियाणवी भाषा के उदाहरण दिए हैं, जो इसकी प्राचीनता के द्योतक है। इतना ही नहीं, यह परम्परा आगे बढ़ी और संत आत्मानंद ने अपनी– राम तेरा रमया हुआ जर जर म्हं, में भी हरियाणवी भाषा की परम्परा को आगे बढ़ाया, इसके पश्चात् सूरदास, जो स्वयं हरियाणवी थे, ने भी अपनी रचनाओं में हरियाणवी लोकभाषा को प्रमुख स्थान प्रदान किया। इसके पश्चात् अनेक सूफी संतों तथा रामकाव्य से जुड़े हुए भक्तों ने भी हरियाणवीं बोली को अपनी अभिव्यक्ति का माध्यम बनाया। इस भाषा को और अधिक उत्साह एवं बल उस समय अधिक मिला, जब दिल्ली में अमीर खुसरों ने 13वीं सदी में हरियाणवी बोली में जकडिया, कडकों, नूस्खों, सूखनों आदि की रचना कर इसकी प्रामाणिकता का सबूत अपने साहित्य लेखन के माध्यम से दियाया था। खुसरों का सशक्त उदाहरण– खीर पकाई जतन से, चरखा दिया चलाय, आया कुत्ता खा गया, तू बैठी ढोल बजाय– हरियाणवी ही तो है? जिसे लोगों ने खड़ी बोली कहा उसका विकास भी हरियाणवी से ही हुआ है। उसके पश्चात संतोष सिंह, हाली, बाबा फरीद आदि कवियों ने हरियाणवीं भाषा एवं शब्दों का सदुपयोग करते हुए अपनी रचनाओं को अंजाम तक पहुंचाया। इतना ही नहीं, दक्खिनी हिन्दी में हरियाणवीं भाषा के अनेकों ऐसे शब्द पाए जाते हैं, जिससे इसकी प्रामाणिकता को और अधिक बल मिलता है। कहना न होगा, रामायण, महाभारत, गीता सरीखे ग्रंथ भी हरियाणवी भाषा में विद्यमान हैं। इस प्रकार यह परम्परा आगे बढ़ती चली और अंग्रेजो तक जा पहुची। जॉर्ज ग्रियर्सन ने लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इण्डिया में बांगरू, हरियाणवी तथा जाटू के नाम से इस भाषा को कलमबद्ध किया। इतना ही नहीं, रोहतक के तत्कालीन डी.सी. श्री ई. जॉसफ ने हरियाणवीं भाषा की जाटू ग्लासरी बनाई। हरियाणवी पर बांगरू का संरचनात्मक अध्ययन के नाम से डॉ. जगदेव सिंह ने डिस्क्रीप्टिव ग्रॉमर ऑफ बांगरू के माध्यम से हरियाणवी लिपि का विश्लेषणात्मक अध्ययन प्रस्तुत कर इसकी प्राचीनता एवं प्रामाणिकता को स्पष्ट किया। इतना ही नहीं डॉ. नानक चन्द ने हरियाणवी भाषा का उद्गम और विकास ग्रंथ के माध्यम से भी इस भाषा की प्रमाणिकता को सिद्ध करने का प्रयास किया है।

# हरियाणवी संस्कृति म्हैं खाणा–पीणा अर् पह्रावा

डॉ. अभिनव
असिस्टेंट प्रोफेसर,
आईएमसीएमटी, कुवि।

म्हारे हरियाणे का इतिहास बड़ा गौरवपूर्ण है अर् यो वैदिक काल तै सुरू होवै सैं। हरियाणा पौराणिक भरत वंश की जन्मभूमि मान्या जावै सै। जिसके नाम पै इस देश का नाम भारत पड़्या। म्हारे महान महाकाव्य महाभारत म्हैं भी हरियाणे की चर्चा होई सै। भारत की राजधानी बणन तै पह्लम तक भारत के इतिहास म्हैं मुसलमानों के आणे अर् दिल्ली के भारत की राजधानी का एक हिस्सा बणग्या अर् 1857 म्हैं स्वतंत्रता के पहले महासंग्राम से पहल्यां तक यो गुमनाम बण्या रह्या। सन् 1857 के विद्रोह को कुचलने के बाद ज्यब ब्रिटिश शासन दुबारा आया तब झज्जर अर् बहादुरगढ़ के नवाबों, बल्लभगढ़ के राजा अर् रिवाड़ी के राव तुलाराम की सत्ता छीन ली गई। उनकी जमीन या तो ब्रिटिश क्षेत्र म्हैं मिला लिए गए या पटियाला, नाभा अर् जींद के शासकों को सौंप दिए गए। इस तरह हरियाणा पंजाब प्रांत का हिस्सा बणग्या। एक नवंबर 1966 को पंजाब दुबारा बण्या तो हरियाणा उस तै अलग होकैं अलग राज्य बण्या। ईब बात करते हैं म्हारी संस्कृति की। हरियाणवी संस्कृति म्हैं रंगों, खाण–पीण, पहरावे का ब्होत महत्व है, क्योंकि हरियाणा के हर तरहां के तीज–त्यौहार बिन रंगों, खाण–पाण, पहनावा के कौन्या मनाये जाते। और तो और म्हारे देशी महीनों के नाम भी रंगों जिसे लागय सै, चैत, बैशाख, षाढ़, साम्मण, भादवा, आसौज, कात्यक, मंगसर, पौः, माः, फाग्गण सैं, पर म्हारैं तै इब केवल अंग्रेजी के महीने याद रह रह्ये सैं, टैम टैम की बात सै। खैर इस्सै तरहां म्हारै हरियाणवी गीतां का भी न्यारे ए अंदाज सै, जो कुछ इस तरहां के बोल होवैं सैं, लाग्गै सै प्यारा साम्मण का नजारा, साच्ची कहूं मनैं जान तै भी प्यारा, मेरे काळजे म्हैं छा रह्या सै, साम्मण की रुत आई, बड़े दिनां के बाद राम जी ने झड़ी लगाई, रिमझिम रिमझिम रंग बरसै आया तीजां का त्यौहार, झूल्लण जांगी हे मां मेरी बाग म्हैं, गंगा जी तेरे खेत में गड्ये हिंडोले चार, कन्हैया झूलते संग रुक्मण झूल रह्यी।

**हरियाणवी खाण–पीणा–**

चुरमा, खांड, गुड, साग, लास्सी, चटणी, छोलिया (हरा चना), बथुआ दही, रायता, फूट–काकड़ी, पंजीरी अर् पिन्नी सैं। इस्सौं तरहां बूरा, शक्कर, मालपूड़े, खुद्दा, टिंडी घी, खिचड़ी, दलिया।

**हरियाणा के पह्रावे–**

आदमियां कै पह्रावेः धोती–कुर्ता, पगडी, गुलीबन्द, दुशाला या कम्बल, शाल, खेस, दोह्र, कमरी, बूंड़ी, अंगरखा, परगल, झूग्गा। जनाना पह्रावाः ओढ़णी, छ्यामा, लहरिया, पीली ओढणी, पीलिया, ढिमाच, सोपली, गुमटी, कंघ, दुकानिया, चुंदड़ी, घाघरा–दामण, बोरड़ा, लैह, कैरी, गुलडां की लैह, खारा।

**सोणे की वेशभूषा–**

रजाई या सौड़, कम्बल, गदेला, बिछौना, दरी।

## इस दुनियां के खेल अजब...

संदीप कुमार, रिसर्च स्कॉलर

इस दुनियां के खेल अजब सब कहद्यूं
करकैं ख्याल सखी।
ध्यान लगा सुणीये सुपने का कहद्यूं
सारा हाल सखी। टेक।
16. निंद्रासन, इंद्रासन समझैं यो भी सै
मोट्टा चाळा,
कपट नै कहैं व्यवहार जन्म का यो भी
सै मोट्टा चाळा,
ज्ञानी–गुणी जां पागल खात्तै यो भी सै
मोट्टा चाळा,
हे घर का जोगी जोगीया और बाहर
का जोगी सिद्ध साळा,
लगी हाट इन गुरूआं की भरो ज्ञान
थोक का माळ सखी।
17. मैं–मैं मेरी लाग रह्यी मैं मन का
मतलब समझाऊं,
तूं–तूं तेरी लाग रह्यी तूं तन का
मतलब समझाऊं,
यो–यो इसकी लाग रह्यी यो इनका
मतलब समझाऊं,
वो–वो उसकी लाग रह्यी वो उनका
मतलब समझाऊं,
मैं तेरी और सब मेरे जिसा एक ढोल
सब ताल सखी।
18. ज्ञान, गुणी का अंगवस्त्र जो पहरै
वो तर ज्यावै हे,
दोष, बुरे का शरशस्त्र जो धरै गात मर
ज्यावै हे,
मोह, माया का हो अस्त्र लगैं पाच्चां म्हैं
घिर ज्यावै हे,
काम, क्रोध, मद्, लोभ, मत्सर, तै योग
सधें सर ज्यावै हे,
अंतःकरण ज्यब सध ज्यावै फेर त्रिदण्ड
करै कमाल सखी।
19. गर्भ म्हैं बच्चा, खाट म्हैं जच्चा जो
सोच्चौ वो ज्ञान भला,
मरता माणस, झरता माणस जो सोच्चौ
वो ज्ञान भला,
शमशाण घाट म्हैं, ईश्वर की बाट म्हैं
जो सोच्चौ वो ज्ञान भला,
कन्यादान समय पिता ध्यान करै जो
सोच्चौ वो ज्ञान भला,
जीणे का सही ढंग बता दी बांध कर्म
की पाळ सखी।
20. एक जीव पड़्या दो के बीच म्हैं
एक धरती और एक गगन,
तीन गुण और चार स्वभाव मिल सुपने
का रचावैं तन,
चार तरह की नींद हौवे और पांच तरह
के हों स्वपन,
देख्या–सुण्या, महसूस कर्या हे मांग्या,
जण्या, अगत दर्शन,
कहै दीप ज्यब सुपना टूट्या होवैं उदय
सूर्य लाल सखी।

## कुवि म्हैं 79वां स्वतंत्रता दिवस पूरे जोश अर् उत्साह तै मनाया गया

# अपणा उज्ज्वल भारत : उज्ज्वल भविष्य

**कुवि।** कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा नै 79वें आज़ादी दिवस पै कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के श्रीमद् भगवद्गीता सदन के आगंण म्हैं राष्ट्रीय ध्वजारोहण कर्या अर् एनसीसी परेड के गैल सहीदां को नमन कर्या। इस मौके पै विश्वविद्यालय के संगीत एवं नृत्य विभाग, आईआईएचएस अर् यूनिवर्सिटी सीनियर सेकेंडरी मॉडल स्कूल के छात्रां नैं देशभक्ति भरे कार्यक्रम प्रस्तुत कर्ये।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा नैं स्वतंत्रता दिवस की बधाई अर् शुभकामनाएं देते होए कह्या कि 15 अगस्त 1947 के दिन हमनैं खाली राजनैतिक आजादी कोन्या मिल्यी थी, ब्यल्के अपणी निज की इज्ज़त, अपणी पहचान, अर् अपणी एक चमकती होई अगत भी पाई थी। हम उन अणगणित स्वतंत्रता सेनानियों कि महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह, वीर सावरकर, बाबा भीम राव अंबेडकर जिस्यां का कर्ज़ कदै नहीं भूल सकते जिननै अपणे त्याग अर् बलिदान तै आजादी का यो चिराग जळाया।

कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा नैं कह्या कि आज के दिन हम उन वीर बहादुर सिपाहियां नै भी याद करां सां जो दिन–रात म्हारे देस सरहद पै खड़्ये म्हारी रूखाल करैं सैं। थोड़े ए दिन पहल्यां ऑपरेशन सिंदूर म्हैं म्हारे देस की सेना नैं जो हिम्मत अर् सौर्य दिखाया सै, वो सारे देशां खात्यर एक संदेशा सै। इब हम आतंकवाद नै बर्दाश्त नहीं करांगे।

कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा नैं कह्या कि आजादी पाच्छै 78 साल्लां म्हैं भारत नैं अपणी एक विशिष्ट पहचान बणायी सै। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय नै पढ़ाई के मामले म्हैं उल्लेखनिय उपलब्धियां हासिल कर्यी सैं।

कुवि हरियाणा का एकोएक इसा सरकारी विश्वविद्यालय सै जिसमै नैक की ए प्लस प्लस ग्रेड मिल्यी सै। साथ म्हैं एनआरआईएफ की रैंकिंग म्हैं 41वां, यूजीसी की कैटेगिरी वन म्हैं आठवां, अर् शिक्षा नीति 2020 म्हैं इसके सारे प्रमुख प्रावधानां गैल लागू करण आळा देश का पहला विश्वविद्यालय सै।

उननें कह्या कि हमनैं पाछले कुछ साल्लां म्हैं अनुसंधान अर् पेटेंट फाइलिंग के काम म्हैं उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करयी सैं। आज तक की तारिख म्हैं म्हारे पै 60 तै ज्यादां पेटेंट सैं। बीते सत्र म्हैं कुवि नैं लगभग 11 करोड़ के 6 स्पोंर्स्ड रिसर्च प्रोजेक्ट मिल्ये सैं। जिनम्हैं मैटिरियल साइंस का 10 करोड़ का प्रोजेक्ट भी पह्ल्यां तै चाल रह्या सै। ऑनलाइन प्रोग्राम म्हैं 10 हजार तै ज्यादां विद्यार्थी पढ़ रहे सैं। प्रो. सचदेवा नै कह्या कि देश के सपने सच करण का बख़्त आग्या सै। 2047 की वा घड़ी हमनै बुलारी सै। ज्यब हम आत्मनिर्भर हो ज्यांगे।

INTERVIEW

# Kurukshetra University's vision for higher education

*Kurukshetra University has become the first government university in Haryana to secure NAAC 'A++' grading and the first in the country to implement the NEP 2020. In the following interview Vice-Chancellor Prof. Som Nath Sachdeva shares how the varsity is enhancing students' skills, boosting research output and positioning itself for greater national and global recognition.*

***How will the NEP benefit students?***

Kurukshetra University was the first in the country to fully implement the NEP 2020 — not just on campus, but across all its affiliated colleges. The university has integrated multidisciplinary courses, ability enhancement courses, value-added courses, skill enhancement programmes, vocational courses and internships into its curriculum. Internships are now compulsory and this year alone, about 50,000 students from both the university and its affiliated colleges participated in them.

***What steps are being taken to improve research at the KU?***

To promote high-quality research, the university has instituted seven research awards, which have already contributed to an improvement in both the quality and quantity of research output. Recently, KU secured a project under the Partnership for Accelerated Innovative Research programme from the Anusandhan National Research Foundation and is expecting a grant of Rs 10 crore. Over the past three years, the university has filed around 65 patents, all of which have been published, with more than 30 already granted. Given Haryana's strengths in agriculture and sports, as well as its growing industrial base, research initiatives are now being tailored to improve efficiency and innovation in these areas.

***What major challenges does the university face?***

The biggest challenge was implementing NEP 2020, as the number of courses doubled without an increase in teaching periods. The courses were designed strategically to keep the additional faculty requirement to just 10 per cent. Funding remains another huge hurdle. About 5 years ago, KU was facing acute financial stress. However, by engaging with the government, the university secured a substantial increase in grant-in-aid. KU's annual budget is around Rs 500 crore, of which roughly half comes from state funding. Faculty shortages are also a concern, with the university currently operating at 50 per cent of its sanctioned strength.

***What initiatives are being taken to generate revenue?***

KU is actively working to boost its self-generated revenue. One significant step is the launch of 23 online programmes, covering conventional disciplines, professional fields and languages. Enrolment has already crossed 10,000. These programmes operate at zero cost to the university, making them financially sustainable. The UGC's recent approval for dual degrees will further increase the appeal of such programmes.

***How is the KU helping students become employable?***

Students are KU's primary stakeholders and the university is committed to ensuring they leave not only with degrees but with career pathways. While government jobs are limited and high-paying corporate positions are highly competitive, KU encourages students to explore entrepreneurship. Skill development is central to this vision. The university offers online skill enhancement courses in fintech, management, technology and related fields. Two incubation centres have been set up, with 16 startups launched in the past three years.

***Is the KU working towards improving its ranking further?***

Securing the NAAC A++ grade was a milestone for KU, making it the first state university in Haryana to do so. This accreditation is valid until January 2031. Research excellence plays a critical role in rankings and steps are being taken to boost publications, patents and innovation. KU's next ambition is to feature in the QS World University Rankings, positioning itself not only as a state leader but as an institution of global repute.

## Fifty Thousand students are doing internships

"Internships are now compulsory and this year alone, about 50,000 students from both the university and its affiliated colleges participated in them... KU secured a project from the Anusandhan National Research Foundation and is expecting a grant of Rs 10 crore. Over the past three years, the university has filed around 65 patents, all of which have been published, with more than 30 already granted."

# Unlock the Personality offers a roadmap for transformation

***MONIKA DUA***
***ASSISTANT PROFESSOR, IMCMT***

An Appointment with Personality – Unlock the Personality, offers an insightful and accessible exploration of personality development, with a strong focus on how it can empower students, professionals, and general readers alike. It's not just a self-help book it is a roadmap for personal transformation.

What sets this book apart is its inclusive approach. It caters to three key reader groups: everyday individuals with no specialized background, students, and professionals striving for growth in their jobs. The language is clear and engaging, making it relatable and applicable to daily life.

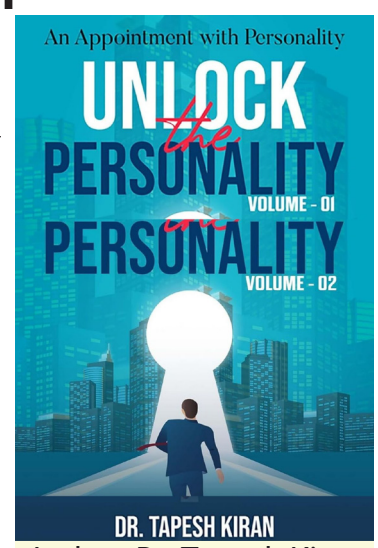


Author: Dr. Tapesh Kiran
Publisher: Evincepub Publishing; First Edition (2025)
Format: Paperback
Pages: 395 | Price: ₹599/-

Throughout the book, readers are encouraged to introspect, develop emotional intelligence, and build stronger communication and decision-making skills, The author stresses that growth is a continuous process and that anyone regardless of age or profession can benefit from cultivating their personality.

An Appointment with Personality is a must-read for those seeking to unlock their potential. Dr. Tapesh Kiran's work reminds us that real change begins with self-understanding. In a world full of distractions and confusion, this book offers clarity, direction, and purpose. Whether you're a student, a working professional, or someone on a journey of self-discovery, this book deserves a spot on your reading list.

# *Snapshots of Passion: Contest Winners Speak*

***KU Campus***. "We just wanted to do something interesting... what began as a hobby has now become a passion." This was the sentiment of the energetic students of who secured the top three positions with their unique photographs in the competition organized on the occasion of World Photography Day. The event was jointly hosted by the IMCMT and the Youth & Cultural Department of the university.

Sanjana, a fourth-year student of Fine Arts Dept., captured a seemingly ordinary corner of the campus. She said, "My aim was to show that in the pursuit of the extraordinary, we tend to overlook the extraordinary beauty hidden in the ordinary."

Anjali, a first-year student of the Geography Dept., secured second place by photographing the natural beauty of the campus. She said, "I have realized that in the hustle and bustle of life, people have forgotten to love nature. Through my pictures, I want to sow seeds of love for nature in people's hearts."

Mohit, a second-year student of the Fine Arts Dept., captured a cycle puncture repairman in the university market and won third place. He said, "My interest in photography started in school, and now it has become a passion. I want to showcase the contributions of people doing small but essential jobs on a bigger canvas, because they are the real greats."

# कुवि के दो वरिष्ठ शिक्षक और सात गैर–शिक्षक कर्मचारी सेवानिवृत, कुलपति ने किया सम्मानित

## विश्वविद्यालय के उत्थान में शिक्षकों और कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदानः प्रो. सोमनाथ सचदेवा

**कुवि।** कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में दो वरिष्ठ शिक्षकों व सात गैर–शिक्षक कर्मचारियों की सेवानिवृति के अवसर पर प्रशासन की ओर से विदाई पार्टी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि विश्वविद्यालय के उत्थान में शिक्षकों व कर्मचारियों की अहम भूमिका होती है। शिक्षक व कर्मचारी शिक्षण संस्थान का मजबूत आधार होते हैं जो संस्थान के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने सेवानिवृत होने वाले वरिष्ठ शिक्षकों व कर्मचारियों से औपचारिक बातचीत की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षकों व कर्मचारियों के हितों के लिए सदैव सकारात्मक दृष्टिकोण रखेगा तथा भविष्य में भी सेवानिवृत शिक्षकों व कर्मचारियों के अनुभव विश्वविद्यालय के काम आएंगे। कुवि कुलसचिव लेफ्टिनेंट डॉ. विरेंद्र पाल ने भी

कुवि। सीनियर प्रो. सुदेश को सम्मानित करते कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा व विद्वान शिक्षकगण।

सेवानिवृत होने वाले वरिष्ठ शिक्षकों व कर्मचारियों के उत्कृष्ट कार्य व सेवा भाव से कार्य करने की प्रशंसा की व उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना की।

यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में सीनियर प्रो. के पद से सेवानिवृत्त हुई प्रो. सुदेश वर्तमान में भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां (सोनीपत) में कुलपति हैं। इससे पहले वे कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन अनुसंधान केंद्र और मानव संसाधन विकास केंद्र की निदेशक रह चुकी हैं। 2002–03 में उन्हें यूनाइटेड किंगडम के कार्डिफ बिजनेस स्कूल में प्रतिष्ठित कॉमनवेल्थ फेलोशिप प्रदान की गई।

सेवानिवृत्त हुए सीनियर प्रो. संजीव अरोड़ा एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद और शोधकर्ता हैं जो कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में विज्ञान संकाय के डीन के रूप में कार्यरत रहे। उन्होंने 1992 में रसायन विज्ञान विभाग में व्याख्याता के रूप में विश्वविद्यालय में अपना कार्यकाल शुरू किया, 2006 में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर आगे बढ़े और 2009 में प्रोफेसर का पद प्राप्त किया। डॉ. अरोड़ा ने 2016 से 2018 तक रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष का पद संभाला।

वहीं दूसरी ओर सेवानिवृत होने वालों में परीक्षा शाखा–1 से डिप्टी रजिस्ट्रार राजबाला, इंस्ट्रियूट ऑफ इंटिग्रेटिड एंड ऑनर्स स्टडीज के सीनियर लैक्चरर असिस्टेंट राम चन्द्र, कुलसचिव कार्यालय के सहायक मेवा लाल, कम्प्यूटर सेंटर के कम्प्यूटर ऑपरेटर तिलक राज, परीक्षा शाखा (कम्प्यूटर लैब) के दफ्तरी ऋषि पाल, युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग के दफ्तरी रतन सिंह तथा सुरक्षा विभाग के सुरक्षा कर्मचारी जसबीर सिंह शामिल हैं।

## डॉ. कुलदीप बने सिख संग्रहालय शोध विशेषज्ञ समिति के सदस्य

**कुवि।** हरियाणा के माननीय राज्यपाल व कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. आशिम कुमार घोष के निर्देशानुसार

प्रो. कुलदीप सिंह।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में कुरुक्षेत्र में सिख संग्रहालय की स्थापना हेतु एक शोध विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया है। सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा द्वारा जारी आदेशानुसार इस समिति में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पंजाबी विभाग के प्रो. कुलदीप सिंह को सदस्य बनाया गया है। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने डॉ. कुलदीप सिंह को बधाई देते हुए उन्हें सिख संग्रहालय की स्थापना में अहम योगदान देने की बात कही। डॉ. कुलदीप सिंह ने माननीय राज्यपाल प्रो. आशिम कुमार, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा का आभार व्यक्त किया।

## केयू कुलसचिव डॉ. विरेंद्र पाल को मिला 'शिक्षा रत्न' सम्मान

**कुवि।** देश के दो प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के कुलसचिव डॉ. विरेंद्र पाल एवं डॉ. विजय कुमार को नई दिल्ली कांस्टीट्यूशन क्लब में आयोजित 25वें उन्नत भारत सेवाश्री सम्मान समारोह में 'शिक्षा रत्न' पुरस्कार से नवाजा गया। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. विरेंद्र पाल एवं गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के कुलसचिव डॉ. विजय कुमार को यह सम्मान उच्च शिक्षा क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान एवं पारदर्शी प्रशासनिक नेतृत्व के लिए प्रदान किया गया। समारोह की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुषमा नाथ ने की। इस अवसर पर संरक्षक पद्मश्री विजय कुमार चोपड़ा, महामंडलेश्वर 1008 स्वामी विद्यागिरि महाराज, न्यायमूर्ति कैलाश गम्भीर, गिरीश चंद्र शर्मा सहित गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

## एआई का प्रयोग सही ढंग से करें विद्यार्थी

**कुवि।** जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान में संस्थान व गूगल के संयुक्त तत्वावधान में 'एआई एप्लीकेशन इन जनर्लिज्म एंड मीडिया स्टडीज' पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. उमेश आर्य ने प्रशिक्षक की भूमिका अदा की। प्रो. उमेश आर्य ने विद्यार्थियों से कहा कि एआई आपके स्वर्णिम भविष्य में चार चाँद लगा देगी, अगर आप उसका उपयोग सही तरीके से करते हैं। क्योंकि एआई ने हर क्षेत्र में अपनी पहुँच बना ली है। उन्होंने कहा कि एआई का प्रयोग करते समय विद्यार्थी हमेशा अपनी प्राइवेसी का ध्यान रखें और साथ ही मेडिकल संबंधित कोई भी सूचना ना पूछें क्योंकि दोनों ही सूचनाएं उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ कर सकती हैं। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने कहा कि एआई तकनीक पर भारत सरकार ने दस हजार करोड़ से भी ज्यादा निवेश किया है ताकि युवा पीढ़ी एआई की तकनीकी जानकारियों को सीख सके और राष्ट्र निर्माण में उसका प्रयोग कर सके।

## अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. अनिल कुमार को मिला अवॉर्ड

**कुवि।** कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में संचालित कुरुक्षेत्र विश्वद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के एसोसिएट प्रोफेसर अनिल कुमार को श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से गल्फ मेडिकल यूनिवर्सिटी, अजमान, यूएई के थुम्बे कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एंड एआई इन हेल्थकेयर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पेपर अवॉर्ड मिला है। इस उपलिब्ध के लिए एसोसिएट प्रोफेसर अनिल कुमार ने कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा के कुशल मार्गदर्शन में कार्य के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्हें यह अवॉर्ड निजी रूप से नहीं बल्कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय परिवार में कार्य करते हुए मिला है। कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने उन्हें इस सम्मान के लिए बधाई दी।

### राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर मेजर ध्यानचंद की स्मृति में कार्यक्रम

## मेजर ध्यानचंद के जीवन से प्रेरणा लें खिलाड़ीः प्रो. दिनेश

**कुवि।** कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय स्तर के अत्याधुनिक हॉकी स्टेडियम में खेल विभाग द्वारा हॉकी के जादूगर और भारत रत्न मेजर ध्यानचंद की स्मृति में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए खेल निदेशक डॉ. दिनेश राणा ने विद्यार्थियों को मेजर ध्यानचंद के खेल जीवन, अनुशासन, संघर्ष और देश के प्रति उनके अमूल्य योगदान के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मेजर ध्यानचंद ने भारतीय हॉकी को पूरी दुनिया में एक नई पहचान दिलाने का काम किया। पूरे देश में उनके जन्मदिवस को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर पूर्व साई कोच शिवकुमार सैनी, बॉक्सिंग कोच राजेश कुमार राजौंद, वॉलीबॉल कोच राजेश, कुश्ती कोच रमेश, फुटबॉल कोच मोनिका, साई हॉकी कोच मलकीत व शुभम अरोड़ा आदि मौजूद रहे।

## योग का जीवन में बहुत महत्वः नरवाल

**कुवि।** विकसित भारत–2047, मेकिंग इंडिया, स्पोर्टिंग एंड फिट नेशन अभियान के अंतर्गत इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटेड एंड ऑनर्स स्टडीज की एनसीसी यूनिट द्वारा विशेष योग सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पतंजलि महिला योग समिति की जिला अध्यक्षा मंजू नरवाल ने कैडेट्स को विभिन्न योगासन, प्राणायाम और मानसिक स्वास्थ्य तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि योग का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। इस अवसर पर डॉ. कविता रानी, एनसीसी सीटीओ ने कैडेट्स को अनुशासन, फिटनेस और मानसिक सुदृढ़ता के महत्व पर प्रेरित किया। आईआईएचएस की शारीरिक शिक्षा विभाग की प्रमुख डॉ. संतोष दहिया ने फिटनेस जागरूकता अभियान के अंतर्गत छात्रों और कैडेट्स को शारीरिक शिक्षा, खेलों की भूमिका, फिटनेस एवं समग्र विकास के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी।

## महिलाओं को संतुलित आहार लेने के लिए किया गया प्रेरित

**कुवि।** कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में महिला अध्ययन शोध केन्द्र के विद्यार्थियों द्वारा शुक्रवार को डेरा बाजीगर दयालपुर गांव में एनीमिया मुक्त हरियाणा के तहत जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर के माध्यम से पिछड़े वर्ग की महिलाओं को शरीर में खून की कमी के कारण, लक्षण तथा प्रभाव की जानकारी दी गई। ग्रामीण महिलाओं को एनीमिया के जोखिम के बारे में भी अवगत कराया गया तथा उन्हें सन्तुलित आहार लेने के लिए प्रेरित किया गया। इस शिविर में केन्द्र की शोध अधिकारी डॉ. वन्दना दवे तथा स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसके पूर्व स्व. श्री गुलजारी लाल नंदा स्मारक कुरुक्षेत्र में विश्व स्तनपान सप्ताह के अन्तर्गत जागरूकता शिविर लगाया गया, जिसमें मां एवं बच्चे दोनों के लिए स्तनपान के महत्व की जानकारी दी गई। इस शिविर में डॉ. वन्दना दवे एवं अनु रानी ने महिलाओं को जानकारी दी।

विश्व फोटोग्राफी दिवस

## फोटोग्राफी के लैंस से दिखी कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की अनदेखी सुंदरता

विश्व फोटोग्राफी दिवस– 19 अगस्त को 'विश्वविद्यालय परिसर की सुंदरता' थीम पर आयोजित फोटोग्राफी प्रतियोगिता में फाइन आर्ट की विद्यार्थी संजना को प्रथम पुरस्कार– 3100 रुपये, भूगोल विभाग की विद्यार्थी अंजली को द्वितीय पुरस्कार– 2100 रुपये, वहीं फाइन आर्ट के विद्यार्थी मोहित को तृतीय पुरस्कार– 1100 रुपये प्राप्त हुए। प्रथम तीन फोटो को क्रमांश देखें। प्रतियोगिता के लिए वरिष्ठ इतिहासकार व फोटोग्राफर रणवीर सिंह फोगाट, केयू ललित कला विभाग के डॉ. पवन तथा डॉ. आनन्द जायसवाल ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई।

# जीत–हार के गणित में न उलझें, जज्बा जिंदा रहना जरूरी: उपायुक्त

**कुवि।** कुरुक्षेत्र जिला उपायुक्त महाबीर प्रसाद ने कहा कि जीत और हार के गणित में उलझने की आवश्यकता नहीं है। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि जीतने का जज्बा कभी मरना नहीं चाहिए। उस जज्बे को जिंदा रखने का संकल्प हर विद्यार्थी के भीतर होना चाहिए। वे कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान में विश्व फोटोग्राफी दिवस पर आयोजित फोटोग्राफी प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि विद्यार्थियों को सम्बोधित कर रहे थे।

कुवि। विश्व फोटोग्राफी दिवस पर आयोजित फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन करते उपायुक्त महावीर प्रसाद, कुलसचिव डॉ. विरेंद्र पाल और संस्थान के निदेशक प्रोफेसर महासिंह पूनिया।

संस्थान ने 'विश्वविद्यालय परिसर की सुंदरता' विषय पर फोटो प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं संस्थानों के 181 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर उपायुक्त महाबीर प्रसाद प्रतियोगिता में प्रतिभागी विद्यार्थियों द्वारा खींची गई तस्वीरों से अभिभूत हुए। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि कुलसचिव डॉ. विरेंद्र पाल ने विद्यार्थियों की रचनात्मकता की सराहना की और प्रदर्शनी को अत्यंत प्रभावशाली बताया। संस्थान के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने कहा कि उपायुक्त महाबीर प्रसाद ने एक योग्य और कर्मठ प्रशासनिक अधिकारी के रूप में प्रदेश में अपनी अलग पहचान बनाई है। विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाने के लिए उन्होंने अपने व्यस्त समय में से संस्थान को समय दिया। संस्थान लगातार ऐसे आयोजन करता रहेगा, जिससे विद्यार्थियों को अधिक प्रैक्टिकल अनुभव प्राप्त हो। विश्वविद्यालय के युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग के निदेशक विवेक चावला ने इस प्रयास की सराहना की और प्रतिभागी विद्यार्थियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

जिला उपायुक्त महाबीर प्रसाद, कुलसचिव डॉ. विरेंद्र पाल सहित संस्थान के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने संस्थान के प्रांगण में पौधारोपण किया। उपायुक्त महाबीर प्रसाद ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण समय की मांग है। पर्यावरण केवल हमारी आवश्यकता नहीं, बल्कि हमारी जिम्मेदारी भी है। यदि हम प्रकृति की रक्षा करेंगे, तभी प्रकृति हमारी रक्षा करेगी।

## प्रो. दिनेश कुमार ने संभाला डीन फैकल्टी ऑफ सांइसिज का कार्यभार

कुवि। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के आदेशानुसार जियोफिजिक्स विभाग के प्रोफेसर दिनेश कुमार ने डीन फैकल्टी ऑफ सांइसिज का कार्यभार विधिवत रूप से संभाला। इस अवसर पर निवर्तमान डीन प्रो. संजीव अरोड़ा ने प्रो. दिनेश कुमार को कार्यभार सौंपा। यह जानकारी लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने दी। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही प्रो. दिनेश कुमार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कोर्ट तथा एकेडमिक काउंसिल के सदस्य भी होंगे।

## विधि विभाग द्वारा वृद्ध जनों को उनके अधिकारों के प्रति किया गया जागरूक

कुवि। विधि विभाग द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अंतर्गत 'सम्मान से जीवन, अधिकार से रक्षा' विषय पर प्रेरणा वृद्ध आश्रम में जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य वृद्ध जनों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना था। यह कार्यक्रम विभागाध्यक्ष प्रो. प्रीति जैन के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। अभियान में डॉ प्रीति भारद्वाज व विधि विभाग के छात्रों मयंक, गुरविंद, श्वेता ने अपने विचार व्यक्त किए। छात्रों ने वृद्धजनों के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दी जा रही मुफ्त कानूनी सहायता आदि विषयों के बारे में जागरूक किया।

कैंपस डायरी

## पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने में अहम भूमिका निभाते हैं पौधे: डॉ. विरेंद्र

कुवि। शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान और वन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आईआईआईटीआर के प्रांगण में इको क्लब के तहत ग्रो मोर, ब्रीद क्लीन पौधारोपण व पौधा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कुलसचिव डॉ. विरेंद्र पाल द्वारा अमरूद का पौधा रोपित किया गया। डॉ. विरेंद्र पाल ने बताया कि पेड़ केवल छाया या फल देने तक ही सीमित नहीं हैं बल्कि वे जलवायु परिवर्तन, वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण और अन्य पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान के विद्यार्थियों को पौधे वितरित किए। संस्थान की प्राचार्या प्रो. अनिता दुआ ने आह्वान कि कि हम एक जिम्मेदार नागरिक बनें और पर्यावरण को बचाने के लिए संकल्पबद्ध रहें।

## मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाएं: प्रो. रमेश भारद्वाज

कुवि। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सोशल वर्क विभाग में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें इंस्ट्रियूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के निदेशक प्रो. अनिल मित्तल तथा यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के अध्यक्ष प्रो. सुशील शर्मा द्वारा पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर नशा मुक्त भारत अभियान के तहत देश को नशा मुक्त करने में सहयोग करने के लिए सभी ने शपथ ली। इस अवसर पर सोशल वर्क विभाग के अध्यक्ष व कुवि के नशा मुक्त भारत अभियान के नोडल ऑफिसर प्रो. रमेश कुमार भारद्वाज ने कहा कि नशा मुक्त भारत अभियान का उद्देश्य मादक पदार्थों के बुरे प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाना है।

## 'केयू न्यूज लेटर' विश्वविद्यालय की गतिविधियों का आईना: प्रो. अरोड़ा

कुवि। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के डीन ऑफ साइंस प्रो. संजीव अरोड़ा ने जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा प्रकाशित कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के 'केयू न्यूज लेटर' के पाँचवे एडीशन का विमोचन किया। प्रो. संजीव अरोड़ा ने कहा कि 'केयू न्यूज लेटर' कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में हुई विभिन्न गतिविधियों को प्रदर्शित करने में सफल व सहायक सिद्ध हो रहा है। न्यूज लेटर में विश्वविद्यालय की तमाम सूचनाओं का समावेश किया गया है। यही सूचनाओं का समावेश विश्वविद्यालय के आंतरिक संचार में बेहद सहायक है। उन्होंने संस्थान के निदेशक प्रोफेसर महासिंह पूनिया और उनकी टीम को इस प्रयास के लिए बधाई व शुभकामनाएं दी।

## कवि विकास शर्मा की पुस्तकों 'आई.एस. टुडे' और 'राह के पत्थर' का लोकार्पण

कुवि। कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में पंजाबी विभाग द्वारा पंजाबी साहित्य सभा की पहल पर पुस्तक लोक अर्पण एवं रु–ब–रु कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. विरेंद्र पाल द्वारा चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी मेरठ के प्रसिद्ध उपन्यासकार एवं कवि विकास शर्मा की दो पुस्तकों 'आई.एस. टुडे' और 'राह के पत्थर' का लोकार्पण किया गया। इन पुस्तकों का पंजाबी में अनुवाद महिंद्रा कॉलेज, पटियाला के सहायक प्रोफेसर डॉ. गगनदीप सिंह द्वारा किया गया है। कार्यक्रम में डीन प्रो. पुष्पा रानी, डॉ. कुलदीप सिंह, डॉ. लता खेड़ा व अन्य उपस्थित रहे।

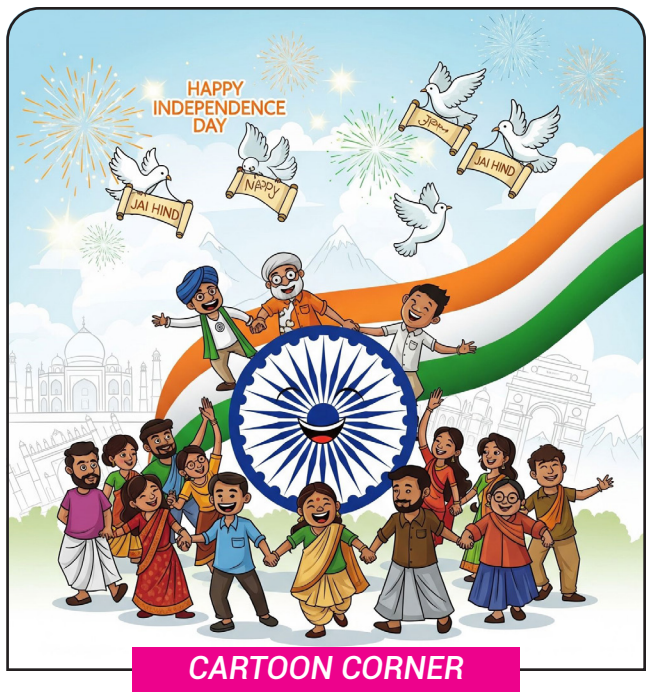


CARTOON CORNER

PHOTO OF THE MONTH

'यूनिवसिर्टी फांउडेशन स्टोन– कम्युनिटी सेंटर में स्थापित किया गया है जिसे एम.एससी. अंतिम वर्ष जनसंचार के विद्यार्थी लक्ष्य बंसल ने छायांकित किया है।

कुविः कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा श्रीमद्भगवद्गीता सदन के प्रांगण में 79 वें स्वतंत्रता दिवस पर एनसीसी परेड की सलामी का निरीक्षण करते हुए।

कुविः शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान और वन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आईआईआई. टीआर के प्रांगण में इको क्लब के तहत् 'ग्रो मोर ब्रेथ क्लीन' पौधारोपण व पौधा वितरण कार्यक्रम के तहत कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए।

कुविः सोशल वर्क विभाग परिसर में नशा मुक्त भारत अभियान (एनएमबीए) के तहत् वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत इंस्टिट्यूट आफ मैनेजमेंट स्टडीज के निदेशक प्रो. अनिल मित्तल तथा यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के अध्यक्ष प्रो. सुशील शर्मा द्वारा पौधारोपण करते हुए।

कुविः जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रोफेसर महासिंह पूनिया नूतन छात्रों को संस्थान के प्रांगण में एंटी रैगिंग और नशा मुक्ति की शपथ दिलाते हुए।

कुविः कुलसचिव डॉ वीरेंद्र पाल ने रणबीर, अंबेडकर, विवेकानंद भवन छात्रावासों का औचक निरीक्षण किया और वही प्रताप छात्रावास का निरीक्षण करने के उपरांत विद्यार्थियों के साथ किया नाश्ता।

कुविः जनसंचार संस्थान में आयोजित विष्व फोटोग्राफी दिवस पर मुख्या. तिथि के रूप में पहुँचे केयू कुलसचिव डॉ. वीरेंद्र पाल का स्वागत करते इतिहासकार एवं डॉ. रणबीर सिंह फोगाट, निदेषक प्रो. महासिंह पूनिया।

कुविः विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस के उपलक्ष्य में विधि संस्थान के लीगल एड क्लीनिक द्वारा प्रेरणा वृद्ध आश्रम में कानूनी सहायता शिविर में प्रेरणा वृद्ध आश्रम के बुजुर्गो को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए विद्यार्थी।

कुविः विधि संस्थान की निदेशिका प्रो. सुशीला देवी चौहान संस्थान के सभागार में नूतन छात्रों को "विधि केवल एक पेशा नहीं बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी' विषय पर विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए।

कुविः कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में दो वरिष्ठ शिक्षक यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट की सीनियर प्रोफेसर एवं भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां (सोनीपत) की कुलपति प्रो. सुदेश एवं रसायन विभाग के सीनियर प्रोफेसर संजीव अरोड़ा एवं सात गैर–शिक्षक कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति अवसर पर प्रशासन की ओर से विदाई पार्टी के दौरान कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा, कुलसचिव डॉ. विरेंद्र पाल और विद्वान शिक्षकगण, प्रशासनिक अधिकारिगण।

**Editor in Chief: Dr. (Prof.) Maha Singh Poonia, Director, INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION AND MEDIA TECHNOLOGY, KURKSHETRA UNIVERSITY, KURKSHETRA, Editor: Dr. Abhinav Kataria, Asst. Prof., Editorial Committee: Dr. Tapesh Kiran, Asst. Prof., Dr. Pardeep Rai, Asst. Prof., Mr. Rahul Arora, Asst. Prof., Mr. Amit Jangra, Asst. Prof., IMC&MT, Layout design: Mr. Sachin Kumar, Scholar. Proof Reader: Mr. Sandeep Kumar Scholar. Printed by : KUK Press, Published By The Registrar, Kurkshetra University, Kurkshetra. E-mail id- newsletter@kuk.ac.in**